कुल पृष्ठों की संख्या–03

नामांक [ ]

कुल प्रश्नों की संख्या–30

[SWM]

अर्द्धवार्षिक परीक्षा सत्र–2021–22

समय : 2.45 घंटा

विषय : हिन्दी अनिवार्य

पूर्णांक : 48

कक्षा–12

नोट : 1. सभी प्रश्न करना अनिवार्य है।

2. सभी प्रश्नों के अंक सामने अंकित है।

प्रश्न 1 से 5 वहुविकल्यात्मक प्रश्नों में सही विकल्प का चयन कीजिए :–

1. 'आत्मपरिचय' कविता वच्चन जी के किस काव्य सग्रह से संकलित है। 1

(अ) मधुशाला (व) मधुवाला (स) निशा निमन्त्रण (द) सतरंगिणी ( )

2. 'केमरे में वन्द अपाहिज' कविता में व्यंग किया गया है। 1

(अ) समाज पर (व) राजनीति पर (स) मीडिया पर (द) दिव्यांगो पर ( )

3. भक्तिन का वास्तविक नाम था। 1

(अ) सरस्वती (व) लक्ष्मी (स) पार्वती (द) महादेवी ( )

4. लेखक ने यशोधर वावू को किशनदा का कौनसा पुत्र कहा। 1

(अ) मानस पुत्र (व) दत्तक पुत्र (स) औरस (द) पुत्र ( )

5. सुरेश हॉकी खेलते समय हवा से वातें करता है। वाक्य में शब्दशक्ति निहित है। 1

(अ) अभिधा (व) लक्षणा (स) व्यंजना (द) कोई नहीं ( )

प्रश्न संख्या 6 से 10 तक में वांछित/उपयुक्त शब्द का द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए :–

6. अखवार, पत्रिकाएँ, पुस्तकें आदि.....................माध्यम है। 1

7. एक सीमित क्षेत्र में वोले जाने वाले भाषा के स्थानीय रूप को.............कहते हैं। 1

8. हिन्दी भाषा की लिपि.................है। 1

9. रघुवीर सहाय................तारसप्तक के कवि है। 1

10. पड़ौस में एक महानुभाव रहते हैं, जिनको लोग..................कहते हैं। 1

प्रश्न संख्या 11 से 15 में सत्य/असत्य लिखकर उत्तर दें :–

11. 'कैमरे में वन्द अपाहिज' करुणा के मुखौटे में क्रूरता की कविता है। सत्य/असत्य 1

12. इंटरनेट पत्रकारिता सूचनाओं को तत्काल उपलव्ध कराता है। सत्य/असत्य 1

13. 'पतंग' कविता में कवि ने वालसुलभ इच्छाओं एवं उमंगो का चित्रण कहीं भी नहीं किया है। सत्य/असत्य 1

14. 'काले मेघा पानी दे' संस्मरण में लोक प्रचलित विश्वासों और विज्ञान के द्वन्द्व का सुन्दर चित्रण है। सत्य/असत्य 1

15. 'शेर के वच्चे' का असल नाम वादल सिंह था। सत्य/असत्य 1

निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

'संस्कृति' शब्द का सम्वन्ध संस्कार से है, जिसका अर्थ है– संशोधन करना, उत्तम वनाना, परिष्कार करना। 'अंग्रेजी शव्द कलचर' में वही धातु है जो 'एग्रीकल्चयर' में है, इसका भी अर्थ 'पैदा करना, सुधारना है। संस्कार व्यक्ति के भी होते है और जाति के भी। जातीय संस्कारों को ही संस्कृति कहते है। संस्कृति एक समूहवाचक शब्द है। जलवायु के अनुकूल रहन–सहन कीविधियाँ और विचार परम्पराएँ जाति के लोगों में दृढ़मूल हो जाने से जाति के संस्कार वन जाते हैं। ये संस्कार व्यक्ति के घरेलू जीवन तथा सामाजिक जीवन में परिलक्षित होते हैं। संस्कृति का वाह्य पक्ष भी होता है और आन्तरिक भी। उसका वाह्य पक्ष आन्तरिक का प्रतिविम्व नहीं तो उससे सम्वन्धित अवश्य रहता है। हमारे वाह्य आचार हमारे विचारों और मनोवृत्तियों के परिचायक होते हैं।

कृ.पृ.प.

16. संस्कृति शब्द का अर्थ क्या है?

17. संस्कृति किसे कहते है? 1

18. जातीय संस्कार कैसे वनते हैं। 1

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों का उत्तर दीजिए :– 1

सिंह की गोद से
छीनता रे शिशु कौन?
मौन भी क्या रहती वह
रहते प्राण ? रे अजान!
एक मेषमाता ही
रहती है निर्निमेष–
दुर्वल वह –
छिनती सन्तान जव
जन्म पर अपने अभिशप्त
तप्त आंसू वहाती है,
किन्तु क्या,
योग्य जन जीता है।
पश्चिम की उक्ति नहीं
गीता है, गीता है,
स्मरण करो वार–वार
जागो फिर एक वार।

19. 'एक मेषमाता ही रहतीहै निर्निमेष' पंक्ति में 'मेषमाता' का निहितार्थ वताइये। 1

20. 'सिंह की गोद से, छीनता रे शिशु कौन' पंक्ति में सिंह किसका प्रतीक है? 1

21. अपने जन्म पर अभिशप्त तप्त आँसू कौन वहाती है? 1

22 से 26 तक लघुत्तरात्मक प्रश्नों का उत्तर 50–60 शब्दों में दीजिए :–

22. 'कैमरे में बन्द अपाहिज' कविता के व्यंग्य पर टिप्पणी कीजिए। 2

23. 'दिन जल्दी–जल्दी ढलता है'– में कवि ने किस सत्य का उद्घाटन किया है। 2

24. कवि आलोक धन्वा ने अपनी कविता 'पतंग' वच्चे के मन की तुलना कपास से क्यों की है। 2

25. 'बाजार दर्शन' के आधार पर पैसे की व्यंग्य शक्ति सोदाहरण समझाइये। 2

26. 'हलधर के प्रिय हैं सदा केशव और किसान।' पंक्ति में निहित अलंकार को स्पष्ट कीजिए। 2

निम्नलिखित गद्यांश या पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :–

27. मैने मन में कहा, ठीक। वाजार आमन्त्रित करता है कि आओ मुझे लूटो और लूटो। सव भूल जाओ, मुझे देखो। मेरा रूप और किसके लिए है? मैं तुम्हारे लिए हूँ। नहीं कुछ चाहते हो, तो भी देखने में क्या हरज है। अजी आओ भी। इस आमन्त्रण में यह खूवी है कि आग्रह नहीं है, आग्रह तिरस्कार जगाता है। लेकिन ऊँचे वाजार का आमन्त्रण मूक होता है और उससे चाह जगती है। चाह मतलव अभाव। चौक वाजार में खड़े होकर आदमी को लगता है, उसके अपने पास काफी नहीं है और चाहिए, और चाहिए। मेरे यहाँ कितना परिमित है और यहाँ कितना अतुलित है ओह! 4

अथवा

मैं निज उर के उद्गार लिए फिरता हूँ,
मैं निज उर के उपहार लिए फिरता हूँ,
है यह अपूर्ण संसार न मुझको भाता,
मैं स्वप्नों का संसार लिए फिरता हूँ।
मैं जला हृदय में अग्नि, दहा करता हूँ,
सुख दु:ख दोनों में मग्न रहा करता हूँ,
जग भव सागर तरने को नाव बनाए,
मैं भव मौजो पर मस्त बहा करता हूँ।

28. भक्तिन पाठ के आधार पर भक्तिन का चरित्र–चित्रण कीजिए। 4

अथवा

'सिल्वर वेडिंग' वर्तमान युग में बदलते जीवन मूल्यों की कहानी है। सोदाहरण सिद्ध कीजिए।

29. कवि हरिवंशराय बच्चन के कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए। 4

अथवा

'कविता के वहाने' कविता का भाव सौंदर्य सारांश में लिखिए।

30. किसी एक विषय पर 200–500 शब्दों में निबन्ध लिखए। 5

(अ) राष्ट्रभाषा हिन्दी : वर्तमान स्थिति और भविष्य

(ब) स्वच्छ भारत : स्वस्थ भारत

(स) कोरोना वायरस – 21 वीं सदी की महामारी

(द) समग्र शिक्षा अभियान को कैसे सफल बनाएँ।

अथवा

सचिव, शिक्षा विभाग, राजस्थान जयपुर की ओर से आयुक्त स्वास्थ्य एवं परिवार कलयाण विभाग को एक अर्द्धशासकीय पत्र लिखिए, जिसमें सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों की नियमित स्वास्थ्य जाँच का आग्रह हो।

❑❑❑